सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार
सुजस ई बुलेटिन
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग
जयपुर, शुक्रवार, 01 अगस्त, 2025

तकनीक से तरक्की की ओर राजस्थान

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सूचना प्रौद्योगिकी में नए कीर्तिमान

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार सूचना प्रौद्योगिकी और संचार के क्षेत्र में नित नए आयाम गढ़ रही है। सरकार की प्रगतिशील नीतियों और नवाचारों को प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता ने राज्य को तकनीकी प्रगति के मानचित्र पर ऊंचा स्थान दिलाया है।

डेटा सेंटर पॉलिसी-2025: विश्व स्तरीय डेटा सेंटर इकोसिस्टम विकसित होगा

सूचना प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी के बढ़ते प्रभाव को ध्यान में रखते हुए राजस्थान में निजी क्षेत्र में डेटा सेंटर्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी-2025 जारी की गई है।

- इस पॉलिसी का उद्देश्य राज्य में एक विश्व स्तरीय डेटा सेंटर इकोसिस्टम विकसित करना है एवं राजस्थान को डेटा सेंटर क्षेत्र में प्रमुख गंतव्य बनाना है।
- यह नीति राज्य में स्थापित होने वाले डेटा सेंटर्स की गतिविधियों की दक्षता, सुरक्षा और विश्वसनीयता को प्रभावी बनाएगी।

डिजिटल राजस्थान की रीढ़

देश का सबसे बड़ा भामाशाह स्टेट डेटा सेंटर

राजस्थान स्टेट डेटा सेंटर (आरएसडीसी) देश का सबसे बड़ा सरकारी स्वामित्व वाला डेटा सेंटर है।

- मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप यह सेंटर अत्याधुनिक तकनीकों से लैस है। इसमें जयपुर में चार और जोधपुर में एक डीआर साइट सम्मिलित हैं।
- इसकी कुल क्षमता 800 रैक है, जिनमें आरएसडीसी-पी4 में 600 रैक के साथ टियर-4 डिजाइन उपलब्ध है, जो 99.995 प्रतिशत अपटाइम की गारंटी देता है।
- यह सेंटर जी2जी, जी2सी और जी2बी सेवाओं की प्रभावी उपलब्धता सुनिश्चित करता है, जिससे डिजिटल राजस्थान का सपना साकार हो रहा है।
- इसके माध्यम से डेटा प्रबंधन, केंद्रीय संग्रहण और आईटी संचालन की लागत में उल्लेखनीय कमी आई है।

नवाचार, दक्षता और पारदर्शिता की राह पर राजस्थान

सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग आमजन को राहत पहुंचाने और शासन की पारदर्शिता बढ़ाने के लिए निरंतर नवाचार कर रहा है। चाहे एआई हो, एवीजीसी हो या डेटा प्रबंधन, हर क्षेत्र में राजस्थान तकनीक के बल पर जनसेवा का नया अध्याय लिख रहा है।

-श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

राजस्थान एआई पॉलिसी-2025

भविष्य की नींव रखने वाला कदम

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार जल्द ही 'राजस्थान एआई पॉलिसी 2025' को लागू करने जा रही है।

- इस नीति के तीन प्रमुख स्तंभ हैं- पहला, नैतिक और जिम्मेदार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने के लिए सरकारी स्तर पर विशेष प्रयास किए जाएंगे।
- दूसरा, राज्य में कौशल विकास और अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा।
- तीसरा, मजबूत और व्यापक डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाएगा।
- इसके क्रियान्वयन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एआई (सीओई-एआई) की स्थापना की जाएगी, जो स्टार्टअप्स, शैक्षणिक संस्थानों और निजी क्षेत्र के साथ मिलकर नवाचार को गति देगा।
- यह नीति नेशनल इंडिया एआई मिशन के साथ संरेखित है और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने का प्रयास है।

एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी

रचनात्मक अर्थव्यवस्था का राजस्थान नया केंद्र बनेगा

राज्य सरकार द्वारा जारी एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी ने राज्य को एनिमेशन, गेमिंग और विजुअल इफेक्ट्स जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में अग्रणी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं।

- साथ ही, राज्य सरकार ने 1,000 करोड़ रुपये की लागत से चार अटल इनोवेशन स्टूडियो एंड एक्सेलेरेटर्स की स्थापना का प्रस्ताव रखा है।
- इसके साथ एग्रीकल्चर एक्सेलेरेटर मिशन की शुरुआत की गई है, जिससे तकनीक और कृषि का समावेश होगा।

उद्यमियों के साथ एमओयू

राज्य सरकार का लक्ष्य है कि सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करे और राजस्थान को क्रिएटिव टेक्नोलॉजी का हब बनाया जा सके।

- साथ ही, इस क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए प्रमुख उद्यमियों के साथ एमओयू के माध्यम से सहयोग को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

प्रदेश में डबल इंजन की सरकार ले रही ऐतिहासिक फैसले: मुख्यमंत्री

अंत्योदय हमारी नीतियों का ध्येय, राज्य सरकार लोगों के जीवन में उजियारा ला रही।

-श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बाबा रामदेव जी ने सामाजिक समरसता की स्थापना करने और समाज में गरीब एवं वंचित लोगों की पीड़ा दूर करने का काम किया।

- इस धरा पर नेत्र कुंभ का आयोजन बाबा रामदेव जी के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धा और मानव कल्याण के उनके आदर्शों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।
- श्री शर्मा गुरुवार को जैसलमेर के रामदेवरा में आयोजित नेत्र कुंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।
- इस दौरान उन्होंने कहा कि यह चिकित्सा सेवा जीवन में फिर से उजाले भरने जैसा पुण्य कार्य है। यह जनकल्याण और मानव सेवा की मिसाल है, जो सभी वर्गों के लिए समर्पित है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि अंत्योदय हमारी नीतियों का प्रमुख ध्येय है।
- यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार ने पिछले डेढ़ साल में अनेक जनकल्याणकारी कदम उठाए हैं।
- नेत्र स्वास्थ्य को लेकर हमारी सरकार निरंतर प्रयास कर रही है, ताकि प्रदेशवासियों के जीवन में खुशियां की रोशनी फैलती रहे।
- प्रदेश में प्रतिवर्ष लाखों लोगों की निःशुल्क मोतियाबिंद सर्जरी तथा नेत्र चिकित्सकों और सहायकों को नवीनतम तकनीकों का प्रशिक्षण और अत्याधुनिक उपकरण प्रदान किए जा रहे हैं।
- नेत्रदान के माध्यम से कॉर्निया प्रत्यारोपण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे हजारों लोगों के जीवन को उजियारा मिल रहा है।

मा योजना में प्रतिदिन 10 हजार लोगों को मिल रहा कैशलेस उपचार

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (मा) के माध्यम से गरीब और वंचित परिवारों को 25 लाख रुपये तक निःशुल्क इलाज उपलब्ध करवा रही है।

- यह सिर्फ एक स्वास्थ्य बीमा योजना नहीं बल्कि लाखों जिंदगियों को बचाने का एक मानवीय संकल्प है।
- इस योजना में प्रतिदिन लगभग 10 हजार लोगों को 10 करोड़ रुपये की राशि का कैशलेस उपचार मिल रहा है।
- साथ ही, मा वाउचर योजना लागू कर प्रतिमाह 25 हजार गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा भी दी जा रही है। अब तक लगभग 2 लाख 87 हजार महिलाओं को इस योजना के तहत वाउचर दिए गए हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में लगभग 50 हजार भर्तियां

- **मुख्यमंत्री** ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने पेपरलीक जैसी घटनाओं से युवाओं के सपनों को चकनाचूर करने का काम किया।
- हमारी सरकार ने डेढ़ साल में ही पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल के कार्यकाल से अधिक कार्य किए है।
- हमनें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में अब तक लगभग 24 हजार पदों पर भर्तियां की हैं और 26 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रिया में हैं।

राज्य सरकार आस्था धामों का कर रही विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की धरती शूरवीरों के साथ लोक देवी-देवताओं और संतों की भूमि है। राज्य सरकार आस्था धामों पर मूलभूत सुविधाओं का विकास करने का काम कर रही है। राज्य सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत 18 हजार 328 यात्रियों को अयोध्या में रामलला के दर्शन, 55 ट्रेनों से 48 हजार 928 से अधिक यात्रियों को विभिन्न तीर्थ स्थलों पर तथा लगभग 6 हजार श्रद्धालुओं को हवाई यात्रा से नेपाल में भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन करवाए गए हैं।

हरियालो राजस्थान: प्रदेश में इस साल 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार ऐतिहासिक फैसले ले रही है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के साथ हमारी सरकार विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य को लेकर काम कर रही है।

- प्रदेश में सतही जल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए हमने राम जल सेतु लिंक परियोजना और यमुना जल समझौते जैसे ऐतिहासिक कदम उठाए हैं।
- इंदिरा गांधी नहर, गंग नहर के लिए भी पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए हैं, जिससे श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ से लेकर जैसलमेर तक पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।
- साथ ही, प्रधानमंत्री के कैच द रेन अभियान से प्रेरणा लेकर कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान शुरू किया। हमने हाल ही में जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान चलाया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेते हुए मिशन हरियालो राजस्थान शुरू किया है। इसमें हम 5 साल में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य लेकर काम कर रहे हैं।
- पिछले साल सात करोड़ से अधिक पौधे लगाए। इस साल प्रदेश में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, जिनमें से अब तक सात करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।
- हरियाली तीज के पावन अवसर पर एक दिन में प्रदेशभर में ढाई करोड़ पौधे लगाकर रिकॉर्ड बनाया गया।

बाबा रामदेव मेले में श्रद्धालुओं की आंखों की निःशुल्क जांच

मुख्यमंत्री ने नेत्र कुंभ-2025 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने मरीजों को अपने हाथों से चश्मा पहनाया और उनसे संवाद भी किया। साथ ही श्री शर्मा ने अपनी आंखों की जांच भी करवाई।

- मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति एवं त्योहारों में सेवा का भाव सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि लोकदेवता बाबा रामदेव जी के मेले के शुभ अवसर पर आंखों के इलाज के लिए महाशिविर का आयोजन किया जा रहा है।
- 1 अगस्त से 2 सितम्बर तक चलने वाले इस शिविर में सवा लाख से अधिक श्रद्धालुओं की आंखों की निःशुल्क जांच की जाएगी
- साथ ही, 11 हजार से अधिक श्रद्धालुओं की आंखों का निःशुल्क ऑपरेशन उनके निवास के नजदीक चिकित्सालय में कराने की व्यवस्था की जाएगी।
- मुख्यमंत्री ने नेत्र कुंभ 2025 पुस्तिका का विमोचन भी किया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि 33 दिन के इस शिविर में लाखों लोगों को नेत्र जांच का अवसर मिलेगा। उन्हें निःशुल्क दवाएं और चश्मे वितरित किए जाएंगे। लोगों को दृष्टि का उपहार देना बहुत बड़े पुण्य का काम है। ऐसे शिविर जन सेवा का बड़ा माध्यम हैं, गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के लिए स्वास्थ्य की सौगात हैं।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री सुरेशचन्द्र, क्षेत्र प्रचारक श्री निम्बाराम, विधायक महंत प्रतापपुरी, महेश भगवती बलदवा फाउंडेशन की श्रीमती भगवती दीदी बलदवा, नरसी ग्रुप के एमडी श्री नरसी कुलरिया, सक्षम के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दयाल सिंह, गादीपति राव श्री भोमसिंह एवं नेत्र कुंभ के महासचिव श्री खेताराम लीलड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।